Publication Date 01.03.2025
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 56 | अंक 03 | 1 मार्च, 2025 | वार्षिक मूल्य : 500/- | प्रति कापी : 50/-

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

हरियाणा सहकारी प्रकाश
के सुधी पाठकों को
होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं ।

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

फरवरी माह में विशेष

अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेला 2025 फरीदाबाद, हरियाणा

मेले की झलकियां

विभिन्न सितारों की प्रस्तुति

सहकारिता विभाग, हरियाणा की नई आयुक्त एवं सचिव श्रीमती आशिमा बराड़, भा.प्र.से.

चंडीगढ़ :– हरियाणा सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा 2004 बैच की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती आशिमा बराड़ को सहकारिता विभाग, हरियाणा के आयुक्त एवं सचिव का कार्यभार सौंपा है। उन्होंने 04 फरवरी, 2025 को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। आप हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का कार्यभार भी सम्भाले हुए हैं। आपने हरियाणा प्रदेश के प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है एवं अपने कार्यों द्वारा सकारात्मक छाप छोड़ी है। इन्हें समयनिष्ठ, परिश्रमी एवं कर्मठ अधिकारी के रूप में जाना जाता है।

आपने पूर्व में उत्पाद एवं कराधान विभाग में आयुक्त के पद पर एवं माननीय मुख्यमंत्री कार्यालय में माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा के अतिरिक्त प्रधान सचिव एवं उप प्रधान सचिव के पद पर लंबे समय तक कार्य किया है । इसके साथ–साथ शिक्षा विभाग, हरियाणा, महिला एवं बाल विकास विभाग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता आदि जैसे महत्वपूर्ण विभागों में महानिदेशक के तौर पर अपनी सेवाएं दी हैं और अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली की छाप छोड़ी है।

आप जैसे अनुभवी एवं प्रतिभावान अधिकारी के सहकारिता विभाग में आने से हरियाणा प्रदेश का सहकार आशातीत है कि सहकारी आन्दोलन आपके नेतृत्व में जनहितैशी गतिविधियों तथा सरकार की योजनाओं को आशानुरुप देने में पूरी तरह से सफल होगा तथा आपके मार्गदर्शन में निश्चित रूप से नये आयाम स्थापित करेगा।

सहकारिता विभाग के नए संयुक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन) रणबीर सिंह, ह.प्र.से

चंडीगढ़ :– हरियाणा सरकार ने हरियाणा प्रशासनिक सेवा 2019 बैच के अधिकारी श्री रणबीर सिंह को सहकारिता विभाग, हरियाणा में संयुक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन) का कार्यभार सौंपा है। उन्होंने 13 फरवरी, 2025 को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। इन्होने हरियाणा प्रदेश के उप मण्डलों जैसे होड़ल, नूंह, फिरोजपूर झिरखा, तावडू, पुन्हाना, नारनौल, कनीना आदि में बत्तोर SDM अपनी सेंवाएं दी हैं। इस दौरान इन्होनें जिले में लगने वाले समाधान शिविरों में जनता की शिकायतों का तुरंत समाधान किया और अपनी कार्यशैली की सकारात्मक छाप छोड़ी। इन्होने नूंह में जिला नगर आयुक्त के पद पर भी कार्य किया है।

आप जैसे अनुभवी एवं परिश्रमी अधिकारी के सहकारिता विभाग में आने से विभाग को महत्वपूर्ण विषयों पर आपका सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलने का सौभाग्य प्राप्त होगा और आपकी कुशल कार्यशैली के साथ मिलकर विभाग सहकार से समृद्धि के संकल्प को पूरा करेगा ।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
आशिमा बराड़, भा.प्र.से.
आयुक्त एवं सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव शर्मा

सुविचार

सादगी से बढ़कर कोई श्रृंगार नहीं होता और विनम्रता से बढ़कर कोई व्यवहार नहीं होता ।

-डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :—

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय 8

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत का सहकारिता क्षेत्र, सामाजिक समरसता क्षेत्र, समानता और समावेशिता के सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ रहा 9-10

सहकारिता विभाग में संयुक्त मुख्य लेखापरीक्षक पदोन्नत हुए अमिताभ आर्य 10

हरियाणा की संस्कृति और सभ्यता विस्तृत - राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ वेस्ट जॉन यूथ फेस्टिवल कार्यक्रम का किया शुभारंभ 11

सरकार-उद्यमियों के मध्य सेतु का काम करे बी.जी.आई.एफ. : डॉ. अरविंद शर्मा 12

फरीदाबाद में 38 वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले का हुआ आगाज 13-17

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनिश्चित किया देश में नारी शक्ति का सम्मान - डॉ. अरविंद शर्मा 18

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री को सौंपी कार्य प्रगति पुस्तिका 19

हरियाणा का किसान खुशहाली की ओर बढ़ रहा : डॉ. अरविंद शर्मा 20

सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए प्रसंघ ने उठाए अहम कदम : योगेश शर्मा 21-22

रक्त दान-महादान 23

हैफेड के मुख्य महाप्रबंधक श्री रजनीश शर्मा हुए सेवानिवृत 24

महिला सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका 25-26

समाचार 27-28

किसान सभा 29

प्रयास 30

विज्ञापन 31

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

Website
https://www.harcofed.org.in

सम्पादकीय

सहकारी समितियों का प्रजातांत्रिक स्वरूप

सहकारी आन्दोलन प्रगति का प्रतीक है। ग्रामीण विकास व आर्थिक गतिविधियों का केन्द्र बिन्दु प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां प्रजातान्त्रिक आधार पर लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए बनी समितियां हैं। अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी संघ द्वारा निर्मित सहकारिता के सात सिद्धान्तों में दूसरा सिद्धान्त प्रजातान्त्रिक सदस्य नियंत्रण है। इसके अनुसार एक व्यक्ति जब समिति की सदस्यता ग्रहण करता है तो उसके बाद उसे सदस्य के सभी अधिकार प्राप्त हो जाते हैं, भले ही, उसकी वित्तीय स्थिति तथा समिति में वित्तीय योगदान कुछ भी हो। सदस्य रंग, जाति तथा लिंग भेदभाव के बिना सहकारी समितियों की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकता है तथा बैठकों में भाग लेकर अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं।

समिति की नीति निर्धारण प्रक्रिया में भी सदस्य सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। सहकारिता के इस द्वितीय सिद्धान्त में मूलतः इस धारणा को आधार बनाया गया है कि एक सदस्य की समिति में चाहे जितनी भी हिस्सेदारी हो उस का मत एक ही रहेगा तथा प्रशासन के सभी मामलों में बहुमत का निर्णय मान्य होगा।

सहकारिता के ज्ञान व दर्शन से प्रजातान्त्रिक सदस्य नियन्त्रण को अधिक महत्व मिलता है जब समिति की आम सभा को सर्वोच्च सभा बनाया जाता है, जिसमें आम सभा की शक्तियां निहित होती हैं। आम सभा को वे सभी अधिकार प्राप्त हैं, जिनका लेखा–जोखा सहकारी समिति के कार्यों से जुड़ा हुआ है। आम सभा ही नित्य–प्रति कार्यों के लिए प्रबन्धक कमेटी का चुनाव कराती है तथा आम सभा द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत ही प्रबन्धक कमेटी दिन–प्रतिदिन के कार्य करती है।

प्रबन्धक कमेटी में चुनाव के माध्यम से आये प्रतिनिधि पुरूष या महिलाएं अपने सदस्यों के प्रति उत्तरदायी होते हैं। इसलिये यह आवश्यक है कि केवल उन्हीं सदस्यों को प्रबन्धक कमेटी का सदस्य चुना जाये जिन पर सदस्य विश्वास करते हों तथा जो सदस्यों को सुरक्षा प्रदान कर सकें। ऐसे चुने गये सदस्य समिति के हित का चिंतन करें और समिति की नीति निर्धारण में सभी पहलुओं का ध्यान रख कर निर्णय लें। प्रबन्धक कमेटी समिति की प्रायः दिन–प्रतिदिन के कार्य में निर्णय लेने वाली कमेटी होती है और उसके दिशा–निर्देश में ही समिति का काम–काज चलता है।

यह भी स्पष्ट है कि समिति की आम सभा में सर्वोच्च शक्तियां निहित होती हैं, इसीलिए सहकारिताओं को 'सदस्यों की, सदस्यों द्वारा तथा सदस्यों के लिये' गठित संस्थाएं कहा जाता है। सहकारी आन्दोलन का रूप अति विस्तृत है। सहकारी आन्दोलन ही विश्व का सबसे बड़ा जन आन्दोलन है । गांव से लेकर शहरों में तहसील, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सहकारिताओं का प्रजातांत्रिक स्वरूप एक समान है, यहां तक कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत सहकारिताओं के प्रजातान्त्रिक स्वरूप में भी समानता है। सभी स्तरों पर सहकारी समितियां सहकारिता के सात सिद्धान्तों के अनुरूप कार्य करती हैं। इस प्रकार प्रजातान्त्रिक सदस्य नियन्त्रण के सिद्धान्त के तहत सदस्य ही सहकारी समितियां का संचालन करते हैं। यही कार्यविधि सहकारी संस्थाओं को अन्य प्रकार की समितियों से भिन्न करती है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत का सहकारिता क्षेत्र, सामाजिक समरसता क्षेत्र, समानता और समावेशिता के सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ रहा

श्री अमित शाह ने राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के कॉपोरेटर कार्यालय का उदघाटन भी किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता आने वाले दिनों में कृषि व ग्रामीण क्षेत्र के लिए रोजगार व समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान सहकारी संस्थाओं की समृद्धि, सहकारिता की पहुंच, सहकारिता की पहुंच बढ़ाने और हर व्यक्ति को सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे

देशभर में Cooperation Among Cooperatives के सिद्धांत पर चल सहकारिता क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर होगाजल्द ही सभी सहकारिता बैंक सामान्य बैंकों की सेवाओं से युक्त होंगे, जिससे सहकारी बैंकिग का विकास होगा

नई दिल्ली, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के उदघाटन कार्यक्रम को संबोधित किया।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का उदघाटन किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने भारत में सहकारिता वर्ष मनाने के लिए 12 माह का एक कार्यक्रम तय किया है, जिसका आज उदघाटन हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में सहकारिता वर्ष इस तरह से मनाया जायेगा जिससे देशभर में सहकारिता अनेक कदम आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान सहकारिता के विस्तार, इस क्षेत्र में शुचिता लाने, सहकारी संस्थाओं को समृद्ध बनाने, कई नए क्षेत्रों में सहकारिता की पहुंच बढ़ाने और भारत के हर व्यक्ति को किसी न किसी प्रकार से सहकारिता से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ने के प्रयास किए जाएंगे। श्री शाह ने कहा कि 31 दिसंबर 2025 को जब सहकारिता वर्ष समाप्त होगा, तब तक हमारी सहकारिता का विकास सिमेट्रिक और समावेशी होगा और हम सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को काफी हद तक प्राप्त कर चुके होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के भारत को दुनिया की तीसरे नंबर की आर्थिक शक्ति और 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में सहकारिता क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान होगा। सहकारिता क्षेत्र सामाजिक समरसता, समानता और समावेशिता के सिद्धान्तों के साथ आगे बढ़ेगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों के सारे मुद्दे भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ सुलझाए हैं। आने वाले दिनों में अंब्रेला संगठन को मजबूत कर हम विश्वास और व्यापार को बढ़ाएंगे और सभी अड़चनों को दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि नए बायलॉज़ से बनी 10 हजार

बहुद्देश्यीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज शुरू हो रहा है, जो एक नई शुरूआत है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश की हर पंचायत में एक पैक्स की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है और पैक्स की वायबिलिटी के लिए मॉडल बायलॉज बनाए गए जिन्हें सभी राज्यों ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि मॉडल बायलॉज के तहत अब पैक्स कई प्रकार की अलग–अलग नई गतिविधियां शुरू कर सकते हैं। मोदी सरकार ने 2500 करोड़ रूपए खर्च कर हर पैक्स को कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर दिए हैं और कई प्रकार की नई गतिविधियों को पैक्स के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। इसे सफल बनाने के लिए हमें तकनीक को अपनाना होगा। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि बैंक हो या पैक्स, हमें विश्वास के साथ नई तकनीक को जानने वाले युवाओं को साथ लाना होगा, तभी हम सहकारिता को आत्मनिर्भर बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि सहकारिता ही हर गांव में रोजगार का जरिया हो सकता है।

श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने कोऑपरेटिव सेक्टर की बहुत बड़ी मदद की है और इथेनॉल ने चीनी मिलों के मुनाफे का बढ़ाया है। चीनी के अच्छे दाम प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी ने हाल ही में 10 लाख टन चीनी के निर्यात का फैसला लिया । उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मोदी सरकार सहकारिता को आगे बढ़ाना चाहती है और इसके लिए एक रैंकिंग सिस्टम शुरू किया गया है। श्री शाह ने कहा कि 7 प्रमुख क्षेत्रों–पैक्स, डेयरी, मत्स्यपालन, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक, आवास क्रेडिट सोसायटी, क्रेडिट कोऑपरेटिव और खादी ग्रामोद्योग – में हम रैकिंग के साथ आगे बढ़ेगे। इसके तहत ऑडिट, गतिविधियां, सेवाएं, वित्तीय प्रदर्शन, आधारभूत संरचना और ब्रांडिंग जैसे कई मानाक तय किए हैं, जिनको मिलाकर 100 अंक रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इसे विश्वनीय बनया जाएगा जिससे इसके आधार पर किसी भी बैंक को पैक्स को पैसा देने में दिक्कत न हो।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि और समद्धि से आत्मनिर्भरता के मंत्र को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के कैलेंडर का उदघाटन, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के अंब्रेला संगठन के कार्यालय की शुरूआत और 10 हजार नए पैक्स के लिए पहला प्रशिक्षण शुरू हुए हैं।

सहकारिता विभाग में संयुक्त मुख्य लेखापरीक्षक पदोन्नत हुए अमिताभ आर्य

दिनांक 23 जनवरी 2025 को सहकारिता विभाग में उप मुख्य लेखा परीक्षक (Deputy Chief Auditor) श्री अमिताभ आर्य संयुक्त मुख्य लेखा परीक्षक (Joint Chief Auditor) के पद पर पदोन्नत हुए हैं। उन्होंने सहकारिता विभाग में 1 जुलाई 1999 को निरीक्षक (ऑडिट) के पद के साथ अपने कार्यकाल की शुरुआत की थी। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने वरिष्ठ लेखा परीक्षक के रूप में हैंफेड, और वीटा जैसी शीर्ष सहकारी संस्थाओं में अपनी सेवाएं दीं।

सन् 2012 में वे ऑडिट अधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए और नवंबर 2018 में उप मुख्य लेखा परीक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त की। इस दौरान उनकी कुशल सेवाओं को देखते हुए उन्हें हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफेड) के प्रबंध निदेशक जैसे उच्च पद की जिम्मेदारी दी गई, जिस पर उन्होंने अपने कार्य की सकारात्मक छाप छोड़ी।

हरियाणा की संस्कृति और सभ्यता विस्तृत - राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय
38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ वेस्ट जॉन यूथ फेस्टिवल कार्यक्रम का किया शुभारंभ

चंडीगढ़, 08 फरवरी :– शिक्षा जीवन को आगे बढ़ाने का आधार बनाती है। शिक्षा के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास के लिए जरूरी है। यह बात महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी हिसार में आयोजित 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ वेस्ट जॉन यूथ फेस्टिवल कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कही।

इस दौरान उन्होंने मंच से कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा भी की। पांच दिवसीय युवा महोत्सव में उत्तर–पश्चिम क्षेत्र के 23 यूनिवर्सिटी भाग ले रही हैं। महोत्सव में राजस्थान की 6, हरियाणा की 15 एवं दिल्ली की 2 यूनिवर्सिटी भाग ले रही हैं। कार्यक्रम में 931 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं जिनमें महिला प्रतिभागियों की संख्या 467 और पुरुष प्रतिभागियों की संख्या 464 है।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मात्र डिग्रियां प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि युवाओं को संस्कारवान, विचारवान एवं बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना भी है। उच्च शिक्षा का एक मंतव्य यह भी है कि देश के युवाओं के व्यक्तित्व के बहिर्मुखी विकास के लिए अनुकूल अवसर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जाएं। आज के कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देने वालों की मेहनत नजर आ रही है। उन्होंने कलाकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कलाकार बनना इतना आसान नहीं होता। कलाकार के हृदय में प्रेम, करूणा और दूसरों के लिए विचार होना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद स्टूडेंट्स और कलाकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा की संस्कृति और सभ्यता विस्तृत है। इसे सीखकर अपने–अपने राज्यों में जाएं। नई शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देश में नई शिक्षा नीति आई है, जिसके जरिये शिक्षा के साथ साथ न्यू टेक्नोलॉजी के बारे में भी बताया जाएगा। इसमें थ्रीडी पेंटिंग, आर्टिफिशियल इंटलीजेंसी जैसे विषय शामिल हैं।महामहिम ने कुंभ मेले का जिक्र करते हुए कहा कि वहां पर करोड़ो लोग आ रहे हैं। मेले के माध्यम से भी हमारी संस्कृति, भावना को देश ही नहीं बल्कि दुनिया को बताया जाता है। भारत की परंपरा और संस्कृति को हमें नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा एवं उत्साह से परिपूर्ण युवाओं का युवा देश है। आज देश का युवा वर्ग अपनी प्रतिभा, कौशल एवं उपलब्धियों का परचम सम्पूर्ण विश्व में फहरा रहा है। इस दिशा में युवा महोत्सव का आयोजन हर वर्ष किया जाना अति सराहनीय है, जिसमें प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को अपनी संस्कृति एवं कला के समुचित संगम को प्रदर्शित करने एवं नए विचारों, नए सपनों और नए लक्ष्यों के साथ अपनी पहचान बनाने का स्वर्णिम अवसर मिलता है।

सरकार-उद्यमियों के मध्य सेतु का काम करे बी.जी.आई.एफ. : डॉ. अरविंद शर्मा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, उसे पूरा करने के लिए भारत ग्लोबल इंडस्ट्रीज फोरम को सेतु की भूमिका निभानी होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जो सोचते हैं, उसे करके दिखाते हैं और हरियाणा में इसी विचार पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ रहे हैं।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नवाचार, सुधार और प्रदर्शन के साथ जो दिशा हमें दिखाई है, हमें उसपर गम्भीरता से आगे बढ़ना होगा। आज सड़क, रेल का जुड़ाव इतना बेहतरीन हुआ है, जो दर्शाता है कि देश बदल रहा है। औद्योगिक विकास के लिए सबसे जरूरी ढांचागत विकास जरूरी है और बीते 10 साल में इसपर बड़ा काम हुआ है। उन्होंने उद्यमियों को सहकारिता, विरासत व पर्यटन विभाग में नवाचार एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आमंत्रित किया, ताकि युवाओं के लिए रोजगार अवसरों को बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पूरे देश मे स्टार्टअप को लेकर सबसे अधिक जागरूकता है और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी खुद स्टार्टअप कर रहे युवाओं से संवाद कर चुके हैं, ताकि उनकी भांति युवाओं को नई दिशा दिखाई जा सके।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ोली, अखिल भारतीय सह–संगठक सतीश कुमार, बीजीआईएफ के चौयरमेन एवं सोनालिका ग्रुप के वाइस चेयरमैन डॉ. अमृत सागर मित्तल भी मौजूद रहे।

फरीदाबाद में 38 वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले का हुआ आगाज

केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया मेले का उद्घाटन और केंन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल द्वारा किया गया समापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के सपने को चरितार्थ कर रहा सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला

- गजेन्द्र सिंह शेखावत

परंपरा, विरासत एवं संस्कृति की त्रिवेणी है सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला

- मनोहर लाल

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला हरियाणा सहित देश की बन चुका पहचान, 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को कर रहा साकार

- नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री

चंडीगढ़, 7 फरवरी :– हरियाणा के जिला फरीदाबाद के सूरजकुंड में आयोजित 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का आज भव्य आगाज हुआ। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण व अंत्योदय सेवा मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर और खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला 7 फरवरी से 23 फरवरी तक चला, जिसमें देश–विदेश के शिल्पकारों और कलाकारों की अद्भुत कला, शिल्प और प्रतिभा देखने को मिली।

उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज दो बड़े ऐतिहासिक आयोजनों के माध्यम

के रूप में बनी है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज के युग में दुनिया के विभिन्न देशों द्वारा कल्चरल क्रिएटिव इकॉनमी को अर्थव्यवस्था में ऑरेंज इकॉनमी के नाम से औपचारिक रूप से मान्यता प्रदान की है। यह भारत के शिल्पकारों, दस्तकारों व हुनरमंदों के लिए सौभाग्यपूर्ण अवसर है। इस समय में भारत के हस्तशिल्प को भी एक नया बाजार मिले, इसकी संभावनाओं का द्वार खुल गया है। सुरजकुंड का यह मेला इस दिशा में एक बड़े मंच के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि विदेशी पर्यटन के साथ–साथ जिस तरह देशी पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, उससे पर्यटन के क्षेत्र में भारत को नई ऊँचाईयां देखने को मिली है।

से भारत देश विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। एक ओर जहां, पिछले हजारों साल से भारत को एकता के स्वरूप सांस्कृतिक विरासत का अध्याय लिखने वाले व भारत को सामाजिक समरसता और एकता के सूत्र में बांधने वाले महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। वहीं, दूसरी ओर भारत की सांझी कलात्मक विरासत का प्रदर्शन करने वाले सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का आज शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि सूरजकुंड का यह मेला केवल क्राफ्ट को ट्रेड करने या दिखाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह शिल्पकारों और दस्तकारों की पुरातन परंपरा को दर्शाने का महान मंच है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक भारत–श्रेष्ठ भारत का जो स्वपन हम देख रहे हैं, यह मेला उस संदेश को चरितार्थ करने का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि आज से 10–15 साल पहले भारत की पहचान पूरे विश्वभर में एक गरीब देश, पिछड़े व देश के रूप में थी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 10 सालों में जो प्रगति की है, उससे एक नए सूर्य का उदय हुआ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जिस तरह योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है, उससे 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल गए हैं। आज भारत की पहचान विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था वाले देश

हरियाणा में माइस (मीटिंग, इंसेंटिव, कॉन्फ्रेंस, एग्जिबिशन्स) टूरिज्म की अपार संभावनाएं

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पास होने से हरियाणा को बहुत बड़ा लाभ है और यहां माइस (मीटिंग, इंसेंटिव, कॉन्फ्रेंस, एग्जिबिशन्स) टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं, जिनका दोहन हरियाणा को करना चाहिए। हरियाणा माइस टूरिज्म बहुत बड़ा सेंटर बन सकता है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से सूरजकुंड के इस मेले के स्वरूप को और बढ़ाया जा सकता है। इसलिए डिजिटल मार्केटिंग के लिए नई पहल करने की आवश्यकता है। यूट्यूबर, फोटोग्राफर्स को इस मेले में आमंत्रित किया जाए, जो स्वयं इस मेले का आकर्षण देखें और उसे देश–दुनिया तक पहुंचाएं। इससे कलाकारों, दस्तकारों, हुनरमंदों के जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं और उनकी आजीविका को बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी सौभाग्यशाली है, जो बदलते हुए भारत की साक्षी बन रही है। भारत विकसित होने की दिशा में बढ़ रहा है और आने वाले 25 सालों में एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। युवा पीढ़ी को गर्व होगा कि उसने भारत को विकसित करने में अपना योगदान दिया, जिससे उन्हें विकसित भारत के रचयिता होने का गौरव तो प्राप्त होगा ही और उस विकसित भारत में रहने का सौभाग्य भी मिलेगा।

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला हरियाणा सहित देश की बन चुका पहचान, 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को कर रहा साकार – मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सूरजकुंड और सूरजकुंड का यह अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला केवल हरियाणा की ही नहीं बल्कि पूरे देश की पहचान बन चुका है। यह मेला हमारी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को भी साकार करता है और शिल्प के साथ साथ हमारी संस्कृति को भी दुनिया के सामने रखने का अवसर देता है। उन्होंने इस मेले के आयोजन के लिए हरियाणा पर्यटन विभाग, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय, वस्त्र, संस्कृति और विदेशी मामले मंत्रालयों और सूरजकुंड मेला प्राधिकरण के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इस मेले में एक राज्य को थीम स्टेट और एक देश को भागीदारी देश बनाया जाता था। इस बार मेले को 'शिल्प महाकुम्भ' का आकार देने के लिए पहली बार मेले में दो राज्यों–ओडिशा और मध्यप्रदेश को थीम स्टेट बनाया गया है। सात देशों के संगठन बिम्सटेक को भी भागीदार बनाया गया है। बिम्सटेक में भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड और श्रीलंका शामिल हैं।

भले ही ये सात अलग–अलग देश हैं, लेकिन इनकी संस्कृति में समानता है और हम सबके हित एक–दूसरे से जुड़े हैं। इन देशों की शिल्पकला बहुत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि हम सबके लिए यह गर्व की बात है कि इस समय प्रयागराज में भी आध्यात्मिक शिल्प के प्रतीक भारतीय संस्कृति, परंपरा और सभ्यता का महान पर्व 'महाकुम्भ' चल रहा है। इसमें लाखों साधु–संत अपने वर्षों के त्याग और तप से मानव समाज के कल्याण को समर्पित होते हैं। वहीं, दूसरी ओर इस अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में सैकड़ों ऐसे शिल्पकार मौजूद हैं, जिन्होंने वर्षों के अथक प्रयास और साधना से अपनी शिल्प कला को निखारा है। इन्होंने हमारी प्राचीन सभ्यता व संस्कृति को अपने उत्पाद के माध्यम से विभिन्न रूपों में प्रदर्शित किया है। वैसे भी शिल्प का मानव सभ्यता और संस्कृति को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान है। संसार की सभी प्राचीन सभ्यताओं का इतिहास शिल्प के इतिहास को भी प्रकट करता है। मानव–जीवन में कला, संस्कृति और संगीत का बहुत महत्व है। यह मेला भी इसी महत्व को दिखाने वाला मंच है।

परंपरा, विरासत और संस्कृति की त्रिवेणी है सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरजकुण्ड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला पिछले 37 वर्षों से शिल्पकारों और हथकरघा

कारीगरों के लिए अपना हुनर प्रदर्शित करने का बेहतरीन मंच रहा है। यह मेला परंपरा, विरासत और संस्कृति की त्रिवेणी है, जो भारत के ही नहीं, बल्कि दुनिया–भर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। हरियाणा सरकार प्रदेश में शिल्पकला को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह के मंच प्रदान कर रही है। इस शिल्प मेले के अलावा जिला स्तर पर सरस मेले लगाए जाते हैं, जिनमें शिल्पकारों और बुनकरों को अपनी शिल्पों का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। कुरुक्षेत्र में हर साल अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर भी भव्य सरस मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें देशभर के शिल्पकार शामिल होते हैं। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव पर भी सरस मेलों का आयोजन किया जाता है।

उन्होंने कहा कि हमने माटी कला को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 'माटी कला बोर्ड' का गठन किया है। श्री विश्वकर्मा कौशल विकास विश्वविद्यालय में भी परंपरागत शिल्पों में प्रशिक्षण दिया जाता है। शिल्पकार, बुनकर, कारीगर व कलाकार बहनों द्वारा तैयार माल को बेचने की सुविधा प्रदान करने के लिए 'स्वापन आजीविका मार्ट' का आयोजन भी किया जाता है। राज्य स्तरीय स्वापन मार्ट के आयोजन के अलावा जिला स्तर व उपमंडल स्तर पर भी 'स्वापन आजीविका मार्ट' का आयोजन किया जाता है। ये मार्ट प्रदेश के शिल्प उत्पादों को पहचान दिलाने तथा हरियाणा के स्वयं सहायता समूहों के स्थानीय कारीगरों एवं शिल्पकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उत्पादों के बेचने का अवसर प्रदान करने का एक बेहतरीन मंच हैं। शिल्प मेले शिल्पकारों व कलाकारों की प्रतिभा को निखारने व उनके उत्पादों की बिक्री सीधे ही खरीददारों को बेचने का अवसर देते हैं। साथ ही ये पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं।

कला को और अधिक निखारने के लिए शिल्पकार आधुनिक तकनीक का करें प्रयोग

श्री नायब सिंह सैनी ने मेले में उपस्थित शिल्पियों से अनुरोध किया कि वे अपनी कला को और अधिक निखारने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग करें। यह आधुनिक तकनीक का ही कमाल है कि दूर–दराज में बैठा एक शिल्पी आज ऑनलाइन बिक्री प्लेटफार्म से अपने उत्पादों को दुनिया के किसी भी कोने में बेच सकता है। इसी तरह से हस्त उत्पादों की डिजाइनिंग में भी आधुनिक तकनीक का प्रयोग करें।

उन्होंने कहा कि सभ्यताएं समागम और सहयोग से समृद्ध होती हैं। इसलिए, इस दिशा में दुनिया के दूसरे सभी देशों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस मेले का और विस्तार हो, जिसमें ज्यादा से ज्यादा संख्या में देश साथ आएं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि देश और विदेशों से आए कलाकार और पर्यटक हरियाणा की अतिथि सत्कार की एक सुखद अनुभूति लेकर जाएंगे। यह अनुभूति उन्हें बार–बार हरियाणा आने के लिए प्रेरित करेगी।3

सूरजकुंड का मेला भारत की विविधता में एकता और कला–संस्कृति को समृद्ध बनाने का शानदार उदाहरण :– डॉ. अरविंद शर्मा

समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा राष्ट्रीय एकता और कला संस्कृति को समृद्ध बनाने पर जोर देते हैं और सूरजकुंड का यह मेला भारत की विविधता में एकता को दर्शाने और प्रधानमंत्री के सपनों को पूरा करने की दिशा में शानदार उदाहरण है। उन्होंने इस मेले के सफल आयोजन के लिए पर्यटन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि सूरजकुंड मेले की शुरुआत 1987 में हुई थी और वर्ष 2014 के बाद पिछले 10 सालों में इसकी छटा व आकर्षण दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह शिल्प मेला विश्व का सबसे बड़ा शिल्प मेला है, जिसमें देश और विदेश के शिल्पकार हिस्सा लेने के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार इस मेले में ग्रामीण स्पोर्ट्स को भी शामिल किया गया है।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि इस शिल्प मेले के 2 थीम स्टेट उड़ीसा और मध्य प्रदेश हैं तथा बिम्स्टे देशों ने पार्टनर देश के रूप में हिस्सा लिया है। इसके अलावा, 51 अतिरिक्त देश में इस मेले का हिस्सा बने हैं। उन्होंने कहा कि यह मेला विकसित भारत व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में भी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस मौके पर विधायक श्री मूलचंद शर्मा, श्री धनेश अदलखा, पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव और सूरजकुंड मेला प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती कला रामचंद्रन सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।'''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनिश्चित किया देश में नारी शक्ति का सम्मान - डॉ. अरविंद शर्मा

दिनांक 08 फरवरी को आर्य कन्या गुरुकुल मोर माजरा, करनाल के 52वें वार्षिकोत्सव में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गायत्री छात्रावास के द्वितीय तल पर नवनिर्मित 50 कमरों का लोकार्पण किया। सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के दौरान नारी शक्ति का सम्मान बढ़ा है। हर आयु वर्ग को सशक्त बनाने के उनके संकल्प को बेटियां खुद से जोड़े और शिक्षा, खेल, संस्कृति समेत हर क्षेत्र में खुद की क्षमता को निखारते हुए अपने इलाके को गौरवान्वित करें।

उन्होंने कहा कि इलाके की आस्था और सद्भाव लंबे समय से गुरुकुल से जुड़ा है और मैं भी इसका साक्षी हूं। प्रबंधन की तरफ से कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद' शर्मा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधान जसबीर मान, उपप्रधान विजेंद्र सिंह मान, सचिव राम सिंह, सह सचिव गुरदेव सिंह, पूर्व प्रधान जगत सिंह मान, प्राचार्या गुरप्रीत कौर, सुनीता सहरावत, प्राचार्य सन्दीप कंधोल, ईश्वर, भगवान सिंह, भूपेंद्र मान बिजेंद्र मोर, नौरंग बांगड़ मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री को सौंपी कार्य प्रगति पुस्तिका

सरकार के 100 दिन के कार्यकाल में डॉक्टर अरविंद शर्मा के विभागों की गतिविधियों पर आधारित है पुस्तिका

चंडीगढ, 5 फरवरी :– हरियाणा के सहकारिता, कारागार, चुनाव, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से उनके आवास संत कबीर कुटीर में मुलाकात कर सरकार के 100 दिन की अवधि में उनके विभागों की गतिविधियों की कार्य प्रगति पुस्तिका सौंपी। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से सिद्धि और डबल इंजन हरियाणा सरकार, तिगुनी रफ्तार के साथ संकल्प पर मिलकर आगे बढ़ रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि इन 100 दिन के कार्यकाल के दौरान राज्य स्तरीय सहकारिता सप्ताह के राज्य स्तरीय आयोजन रोहतक व गुरूग्राम में करवाए गए, ताकि केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के सहकार से समृद्धि के संकल्प पर आमजन को जागरूक किया जा सके। इस कड़ी में गोहाना से प्रदेश भर के लिए जिला स्तरीय सहकारिता जागरूकता अभियान का भी आगाज किया।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात करते हुए हरियाणा के पर्यटन को दुनिया के मानचित्र पर लाने पर चर्चा की। इसके अलावा, सिंधु–सरस्वती सभ्यता के महत्वपूर्ण केंद्र राखीगढी को अंतरराष्ट्रीय पहचान के तौर विकसित करने के मकसद से राखीगढी महोत्सव का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि द्वितीय महाभारत सर्किट सम्मेलन में सर्किट के दायरे में आने वाले क्षेत्रों के विकास और संजोने को लेकर प्रक्रिया को तेज किया गया। प्रदेश की जिला कारागार में कैदियों व बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए गीता पाठ को प्रारंभ करवाया गया तथा उनकी सुविधाओं में बढोतरी के लिए प्रयास किए गए।

उन्होंने बताया कि इस दौरान विभिन्न विभागों, बोर्ड, निगमों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए नवोन्मेषी योजनाएं तैयार करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसमें सहकारी समितियों को मुनाफे, वीटा द्वारा शुगर फ्री उत्पाद बनाने व विरासत साइटों को आमजन के मध्य लोकप्रिय बनाना भी शामिल है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विभागीय योजनाओं को निरन्तर आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि आमजन को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जा सके।

हरियाणा का किसान खुशहाली की ओर बढ़ रहा : डॉ. अरविंद शर्मा

दादरी के कृषि विभाग कार्यालय में हुआ जिलास्तरीय किसान सम्मान समारोह

चरखी दादरी :– कृषि विभाग कार्यालय में सोमवार को जिलास्तरीय किसान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश के सहकारिता, कारागार, विरासत और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने इस कार्यक्रम में किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को प्रामाणपत्र और विभिन्न किसानों का मृदा स्वास्थ्य कार्ड बांटे। उन्होंने कहा कि प्रदेश का किसान खुशहाली की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले के मुकाबले परिवारों में संपत्ति के बंटवारे के चलते खेती की जोत घट रही है, इस कारण खेती का मुनाफा भी बंट जाता है। ऐसे में सरकार की ओर से विभिन्न योजनाओं को लागू किया गया है, जिनको अपनाकर खेती में नवाचार कर लाभ को बढ़ाया जा सकता है। प्राकृतिक खेती भी ऐसा ही नवाचार है और इसकी अब जरूरत भी है। इसमें उपज नहीं घटती है और प्राकृतिक उत्पादों को मूल्य भी आम उत्पादों से अधिक मिलता है।

हरियाणा में गन्ने का भाव पूरे देश में सबसे ज्यादा

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा में गन्ने का भाव पूरे देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में गन्ने का भाव पूरे देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सरकार की हर योजना की जानकारी हो ताकि उसका क्रियान्वयन बेहतर तरीके से किया जा सके और ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों का उसका लाभ मिल सके।

जिले में 70,000 किसानों को मिली सम्मान निधि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देश के किसानों को पीएम किसान सम्मान योजना के तहत 22,000 करोड़ रूपये की किस्त जारी की है। कार्यक्रम में उपायुक्त मुनीश शर्मा ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आज जिले के 70,000 से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त की राशि मिल रही है। किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभी उठाकर अपनी आय बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए।

देश को विकसित बनाने में किसानों का बड़ा योगदान

सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को वर्ष 2047 तक विकसित करना चाहते है। इस काम में देश के किसानों का सबसे बड़ा योगदान होगा। प्रधानमंत्री देश के किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। बाजरा और ज्वार आदि मोटे अनाज को फिर से जागृत करने का श्रेय भी प्रधानमंत्री को जाता है। इसी कारण विदेशों में बाजरे की खिजड़ी, चूरमा और सूप मिलने लगा है।

सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए प्रसंघ ने उठाए अहम कदम : योगेश शर्मा

बैठक में रजिस्ट्रार सहकारी समितियां की प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुई कविता धनखड़

दिनांक 01 मार्च, 2025 को रेड बिशप, पंचकूला में हरियाणा स्टेट कोऑपरेटिव हाउसिंग फेडरेशन की 29वीं आम सभा की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बाबूराम तुषार ने की, जबकि कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा की प्रतिनिधि अतिरिक्त रजिस्ट्रार श्रीमती कविता धनखड़ और भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रतिनिधि श्री अशोक ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आवास प्रसंघ के प्रबंधक श्री राजेश कौशिक ने प्रदेश भर से आए सहकारी समितियों के सदस्यों का स्वागत किया और उन्होंने प्रसंघ के पिछले तीन साल के कार्यों का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। एम.डी श्री योगेश शर्मा ने अतिरिक्त रजिस्ट्रार श्रीमती कविता धनखड़, एलआईसी प्रतिनिधि श्री अशोक ठाकुर, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री बाबू राम तुषार का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। प्रबंधक निदेशक योगेश शर्मा ने कहा कि आवास प्रसंघ ने सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए कई प्रयास किए हैं। प्रसंघ के सदस्यों की जिम्मेवारी है कि वह आवास प्रसंघ के इन प्रयासों को मजबूती प्रदान करें, ताकि आने वाले समय में हरियाणा स्टेट कोऑपरेटिव हाउसिंग फेडरेशन के कार्यों को और गति देने के लिए नई योजनाएं लाई जाएं। इसके अंतर्गत प्रसंघ सदस्यों को कम ब्याज पर ऋण देना और अतिदेय सदस्यों के लिए ओटीएस स्कीम लाना है, ताकि सदस्यों और प्रसंघ के बीच इनबैलेंस को दूर किया जा सके और आवास प्रसंघ की अच्छी वसूली हो सके। महासभा को संबोधित करते हुए प्रबंध निदेशक योगेश शर्मा ने बैठक में रखे गए चारों एजेंडों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हरियाणा आवास प्रसंघ सदस्यों को फायदा पहुंचने के लिए नई–नई स्कीम लेकर आ रहा है। उन्होंने खुलासा किया कि ओटीएस स्कीम के तहत समिति सदस्यों और प्रसंघ के बीच आए इनबैलेंस को दूर किया जा सके। इसके अलावा ओटीएस स्कीम में कई बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने सदस्यों के सम्मुख बैठक में रखे गए एजेंडों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रसंघ ने वर्ष 2023 के दौरान एफडी, सेविंग और रि–इनवेस्टमेंट के तहत प्रसंघ ने 83 करोड़ 13 लाख 26 हजार 311 रूपये ऋण के रूप में दिए हैं। सदस्यों से प्रसंघ ने 146 करोड़ 61 लाख 18 हजार 464 रूपये ब्याज के रूप में वसूल करने हैं। इसके अलावा उन्होंने बैंक की अन्य

उपलब्धियों को भी सदस्यों के सम्मुख रखा। उन्होंने बैठक में आए सभी सदस्यों से अपील की कि वे प्रसंघ द्वारा लाई जाने वाली ओटीएस स्कीम के तहत वसूली करने में अपना सहयोग करें।

इस मौके पर आवास प्रसंघ के पूर्व निदेशक श्री ईश्वर सिंह ने कई सुझाव रखे और कहा कि सहकारी समितियों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने मुख्य रूप से ओटीएस स्कीम को लेकर भी कई सुझाव दिए। पूर्व निदेशक भारत सिंह ने आवास प्रसंघ द्वारा प्रदेश भर में कई सहकारी भवन से समितियों को बंद करने पर ऐतराज जताते हुए कहा कि इससे सहकारिता आंदोलन को ठेस पहुंचेगी। उन्होंने कई महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे और कहा कि अगर आवास प्रसंघ को जिंदा रखना है, तो आवास प्रसंघ के लिए नई योजनाएं लानी होगी और कम रेट पर सदस्यों को व्याज देना होगा। पूर्व निदेशक प्रवीण बतरा ने भी कहीं महत्वपूर्ण सुझाव रखे और कहा कि वे पहले भी पिछली बैठकों में कई सुझाव रख चुके हैं, लेकिन इन सुझावों पर कोई अमल नहीं हुआ। अगर विभाग वास्तव में गंभीर है, तो वह सदस्यों द्वारा रखे गए सुझावों को अमली जामा पहनाने का काम करें। जींद से आए एक सदस्य जयकिशन ने आडिट फीस कम करने का मुद्दा उठाया। बैठक में सभी सदस्यों ने मुख्य रूप से ओटीएस स्कीम के तहत डबल स्कीम लाने का मुद्दा उठाया। सदस्यों का सुझाव था कि डबल स्कीम के तहत ही प्रसंघ की अच्छी वसूली हो सकती है और भविष्य में प्रसंघ कम व्याज पर ऋण देने की स्थिति में होगा। सदस्यों के सुझावों का जवाब देते हुए प्रबंध निदेशक योगेश शर्मा ने कहा कि उनके सुझाव स्वागत योग्य हैं और इन सभी सुझावों को आज की महासभा की कार्रवाई में शामिल किया जाएगा और सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट भेज कर मांग की जाएगी कि सहकारी भवन निर्माण समितियों के लिए विशेष स्कीम की स्वीकृति दी जाए, ताकि प्रसंघ की अच्छी वसूली हो और सहकारिता आंदोलन को भी मजबूती मिले। महासभा की अध्यक्षता कर रहे बाबू राम तुषार ने सदस्यों के सुझावों का स्वागत किया और कहा कि इन सभी सुझावों को आज की महासभा की बैठक में शामिल किया जाए। तभी सहकारिता आंदोलन को मजबूती मिलेगी। महासभा के अंत में प्रसंघ के प्रबंधक राजेश कौशिक ने बैठक में आए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

रक्त दान-महादान

हरको बैंक और हरियाणा रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

हरको बैंक, हरियाणा रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से 20 फरवरी 2025 को अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (IYC-2025) के अंतर्गत मुख्यालय भवन बैंक स्कवेयर, एस.सी.ओ.78-80, सेक्टर-17 बी, चंडीगढ़ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारम्भ डॉ. प्रफुल्ल रंजन, प्रबंध निदेशक/सी.ई.ओ. हरको बैंक द्वारा किया गया तथा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये गये । शिविर में बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों के अतिरिक्त आम नागरिकों द्वारा भी बढ़चढ़ कर भाग लिया गया।

हैफेड के मुख्य महाप्रबंधक श्री रजनीश शर्मा हुए सेवानिवृत

दिनांक 28 फरवरी 2025 को हैफेड के मुख्य महाप्रबंधक श्री रजनीश शर्मा 32 वर्षों की समर्पित एवं ईमानदार सेवा के बाद सेवानिवृत हुए। इन्होने सन् 1993 को हैफेड में अपनी नौकरी की शुरूआत की। अपने कार्यकाल के दौरान, इन्होंने विभिन्न ''प्रतिष्ठित परियोजनाओं' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हैफेड की वृद्धि और सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जैसे

- उर्वरक वितरण : सहकारी नेटवर्क के माध्यम से उर्वरकों की आपूर्ति और वितरण का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया।
- बीज उत्पादन गतिविधियाँ : हैफेड का बीज व्यवसाय और '2012' में एक बीज संयंत्र की स्थापना की, जिससे हैफेड गुणवत्ता वाले गेहूं के बीजों का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता और इस क्षेत्र में एक लाभदायक खिलाड़ी बन गया।

- 'बुनियादी ढांचे का विकास : हैफेड की भंडारण क्षमता को मजबूत करते हुए '30 लाख मीट्रिक टन पी.ई जी गोदामों (2012–2014)' के निर्माण का नेतृत्व किया।
- निर्यात उपलब्धियाँ : सऊदी अरब और दुबई को 1.24 लाख मीट्रिक टन चावल (1,200 करोड़) के निर्यात का नेतृत्व किया, जिससे हैफेड की वैश्विक उपस्थिति बढ़ी।
- खरीद और भंडारण : खरीद और भंडारण कार्यों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया, जिससे दक्षता और सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ।

मुख्य महाप्रबंधक के पद तक पहुँचने वाले श्री रजनीश शर्मा के नेतृत्व, समर्पण और रणनीतिक दृष्टि ने हैफेड पर स्थायी प्रभाव छोड़ा है और इनके कार्यकाल में हैफेड में नए आयाम में स्थापित हुए हैं।

हैफेड द्वारा इनकी सेवानिवृत के अवसर पर शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विशेष रूप से रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से ने शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में हैफेड के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे ओर श्री रजनीश शर्मा जी को एक यादगार विदाई दी।

महिला सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका

प्रस्तावना :— महिला सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सहकारिता का मतलब होता है एकजूट होकर काम करना और एक दूसरे की मदद करना। महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा देना, उन्हें अपने अधिकारों का ज्ञान देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का है। इस दिशा में सहकारी संगठनों और संस्थाओं की भूमिका अत्मधिक महत्वपूर्ण रही है, क्योंकि इन संगठनों के माध्यम से महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त किया जाता है, बल्कि उनका सामाजिक, मानसिक और राजनीतिक सशक्तिकरण भी सुनिश्चित होता है।

"महिलाये समाज के निर्माण की आधार होती है"

1. आर्थिक सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका :— सहकारी समितियां महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। महिलाएं जो घरों की गृहणी या कृषि कार्यों में लगी रहती है, उन्हें सहकारी संगठनों के जरिए काम करने का अवसर मिलता है। इससे वे खुद को आर्थिक रूप से मजबूत और स्वतंत्र बना पाती है। महिला स्वयं सहायता समूह एक बेहतरीन उदाहरण है जो ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका को स्पष्ट करता है। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं छोटी—छोटी बचत करती है, कर्ज ले सकती है और अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे सकती है। उदाहरण के तौर पर सहकारी दुग्ध समितियां, कृषि सहकारी समितियां और हस्ताशिल्प सहकारी समितियां महिलाओं को अपने व्यवसाय में सहयोग और प्रोत्साहन देती है।

नारी का करो सम्मान
तभी बनेगा देश महान।

2. सामाजिक सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका महिला सशक्तिकरण सिर्फ आर्थिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। सहकारी संस्थाएं महिलाएं के सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाती है। इन संस्थाओं में महिलाएं अपनी समस्याओं और विचारों को साझा करती है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, इसके अलावा सहकारी संगठनों के माध्यम से महिलाएं अपनी आवाज उठाती है और समाज में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करती है। उदाहरण के लिए महिलाएं सहकारी समितियों के द्वारा

सामाजिक कार्यों में भाग लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला अधिकारों के मुद्दों पर जागरूकता फैल सकती है।

3. राजनीतिक सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका :– सहकारी संस्थाएं महिलाओं को राजनीतिक सशक्तिकरण का भी अवसर प्रदान करती है। इन संस्थाओं में महिलाएं निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग ले सकती है और अपने अधिकारों को मजबूत कर सकती है। महिला सशक्तिकरण के लिए सहकारी संस्थाओं का समर्थन आवश्यक है, क्योंकि ये संस्थाएं महिला नेताओं को पहचानने और उन्हें राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर देती है। इसके परिणामस्वरूप महिलाएं पंचायत, नगरपालिका और अन्य सरकारी संस्थाओं में नेतृत्व के पदों पर आ सकती है।

महिला है शक्ति स्वरूप,
सभी हो जाए जागरूक।

4. सशक्तिकरण में सहकारिता की भूमिका :– महिलाओं के मानसिक सशक्तिकरण सगंठनों का योगदान अहम है। जब महिलाएं समूहों में काम करती है, तो ये एक–दूसरे से प्रेरित होती है और यह उनका मानसिक बल बढ़ाता है। सहकारिता से महिलाएं अपनी चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार होती है और उनमें आत्मविश्वास का निर्माण होता है।

जब है नारी में शक्ति सारी,
तो फिर क्यों नारी को कहें बेचारी।

निष्कर्ष :– महिला सशक्तिकरण की दिशा में सहकारिता की भूमिका अत्याधिक महत्वपूर्ण है। सहकारी संस्थाएं महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है, बल्कि उनके राजनीतिक, मानसिक और सामाजिक सशक्तिकरण में भी अहम योगदान देती है। इन संस्थाओं के माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती है और समाज में समानता की दिशा में कदम बढ़ाती है। इन प्रकार सहकारिता महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होती है।

भेदभाव जुल्म मिटायेगे

फार्म–4
प्रैस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के नियम–8 के अन्तर्गत

1. **प्रकाशन स्थान :** चण्डीगढ़
2. **प्रकाशन अवधि :** मासिक
3. **मुद्रक का नाम :** सौरव शर्मा
   (क्या भारत का नागरिक है यदि विदेशी है तो मूल देश) – भारतीय।
   पता : हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन लि0, ओद्यौगिक क्षेत्र, फैस–1, चण्डीगढ़।
4. **प्रकाशक का नाम :** सौरव शर्मा
   पता : हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन लि0, बेज न0 49–52, सेक्टर–2, पंचकूला।
5. **सम्पादक का नाम :** सौरव शर्मा
   (क्या भारत का नागरिक हैं यदि विदेशी हैं तो मूल देश) – भारतीय।
   पता : हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन लि0, बेज न0 49–52, सेक्टर–2, पंचकूला।
6. उन व्यक्तियों के नाम व पत्ते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के 1 प्रतिशत से अधिक के सांझेदार या हिस्सेदार हों।

   'हरियाणा सहकारी प्रकाश' का स्वामित्व
   हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन लि0, बेज न0 49–52, सेक्टर–2, पंचकूला को प्राप्त है, जो एक शीर्ष सहकारी संस्था है।
   मैं सौरव शर्मा एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

हस्ताक्षर/–
सौरव शर्मा

जैविक खेती पर एक विचार गोष्ठी

दिनांक 25.02.2025 को बरसत गांव में हरकोफैड द्वारा जैविक खेती पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें ब्लाक समिति घरोंडा के चेयरमैन श्री महेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव बरसत के सरपंच नवीन कुमार ने की। इस कार्यक्रम में श्री अशोक पसरीजा रिटा. महाप्रबन्धक नार्बाड, श्री नियर मंडी इफको, श्री बलकार, कृषि विभाग, करनाल, श्री जगदीप सिंह, शिक्षा अधिकारी हरकोफैड, श्री शिवदयाल प्रबन्धक दी बरसत पैक्स तथा आस पास के गांवों के किसानों ने भाग लिया।

सहकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रम

दिनांक 13 फरवरी 2025 को दि हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ के तत्वाधान में दि पलवल श्रम व निर्माण प्रसंघ पलवल में सहकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रम '' का आयोजन किया गया। जिसमें जिले की विभिन्न सहकारी समितियों के चुने हुए प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से श्री अशोक पशरिजा सेवा निवृत महाप्रंबधक नाबार्ड, श्री उदयपाल भाटी रिकावरी आफिसर जिला सहकारी बैंक फरीदाबाद, श्री कृष्ण वत्स निरीक्षक सहकारी समितियां पलवल, श्री सत्यानारायण यादव सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोफैड पंचकुला, श्री प्रदीप कुमार, मनैजर L/C फैड पलवल, मुख्य वक्ता रहे। बहुत ही इन्टरएकटिव तरीके से सभी भागीदारों का कुशल नेतृत्व के सिखाए व कर्तव्य व अधिकारों का बारे में सहकारी मुल्य व सिद्धान्तों के साथ बताया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बीरवल उप प्रधान एम एवं निमार्ण प्रसंघ पलवल ने की।

वीटा मिल्क प्लांट बलबगढ़ फरीदाबाद में सहकारी कर्मचारी प्रशिक्षण का आयोजन

दिनांक 19.02.2025 को हरकोफैड पंचकुला के तत्वाधान में वीटा मिल्क प्लांट बल्लबगढ़ जिला फरीदाबाद में कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वीटा मिल्क प्लांट के 30 से अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

कर्मचारियों को सहकारी मुल्य व सिद्धान्त, रिकार्ड कीपीगं कार्य, Cybre security कार्य निपटान में सहयोग की भावना आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इसमें मुख्य प्रशिक्ष के रूप में डॉ. रेखा दहिया, पशु विज्ञान केन्द्र पलवल, श्री ललीत कुमार वशिष्ट आडिटर, सी सतवीर सिंह डायरेक्टर फरीदाबाद, उपनिशिक्षक श्रीमती मधु, श्री सत्यानारायण यादव ACEO हरकोफैड पंचकुला उपस्थित रहे।

दी पलवल शुगर मिल पलवल के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 11 फरवरी 2025 को हरकोफैड पंचकुला के तत्तवाधान से दि पलवल सह शुगर मिल, बावनी खेड़ा पलवल के कर्मचारियों को कार्यक्षमता, कार्य क्षमता बढ़ाने व विभिन्न विषयों में अपडेट करने के लिए एक दिवसीय कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें श्री अशोक पसरीजा, सेवानिवृत महाप्रबंधन नाबार्ड, श्री उदमा पाल भाटी, रिकवरी ऑफीसर, सहकारी बैंक फरीदाबाद, श्री नरेश कुमार उपनिरीक्षण पलवल, श्री सत्यानारायण यादव ACEO हरकोफैड पंचकुला मुख्य वक्ता रहे।

कृषि बुनियादी ढ़ांचा स्कीम पर कार्यक्रम

दिनांक 14.02.25 को दि हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रंसघ लि0 पंचकुला के तत्वाधान में बहुउदेशीय कृषि एवं सहकारी समिति अमरपूर जिला पलवल में क्षेत्र में तेजी से विकास लाने व किसानों की आय को बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार की बहुत ही आकर्षण योजना '' कृषि बुनियादी ढ़ांचा योजना'' पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम श्री अशोक पसरीजा, सेवा निवृत महाप्रबंधक श्री उदयपाल भाटी आर. ओ. सहकारी बैंक फरीदाबाद, श्री सत्यानारयण ए.सी.ओ. हरकोफैड मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री प्रेमपाल लाम्बा चेयरमैन एम. पैक्स अमरपूर ने की।

प्रारंभ शिक्षण संस्थान की दक्षिता पहले स्थान पर रही

झज्जर, राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग और हरकोफैड, पंचकूला के सहयोग से जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वाणिज्य प्राध्यापिका डॉ. प्रियंका ने बताया कि प्रतियोगिता में है प्रारंभ शिक्षण संस्थान, झज्जर की दक्षिता ने पहला स्थान, प्रारंभ शिक्षण संस्थान, झज्जर की खुशी ने दूसरा स्थान और राजकीय महाविद्यालय, झज्जर की अनामिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रारंभ शिक्षण संस्थान, झज्जर की संस्कृति और राजकीय महाविद्यालय, झज्जर की नीलम ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. प्रताप ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतियोगिता का निर्णय श्री किसन चाहर, डॉ. कविता और गीतांजलि ने किया।

किसान सभा

दिनांक 14.02.2025 को इफको टोहाना द्वारा अमरूद उत्कृष्टता केन्द्र भूना के प्रांगण में बृहत् किसान सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष चन्द्र जी (डिप्टी डायरेक्टर आफ हार्टिकल्चर) रहें एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सरदुल मान जी (वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक HAU) ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. मनजीत सिंह जी (कृषि वैज्ञानिक HAU), डा. विनोद कुमार जी (कृषि वैज्ञानिक HAU), डॉ. घनश्याम जी (SMS CEG), डा. मोनिका जी (SMS CEG), श्री पवन कुमार जी (HDO भूना) मौजूद रहे। कार्यक्रम में बागवानी फसलों पर नैनों उर्वरकों, जल घुलनशील उर्वरकों, सागरिका उत्पाद के उपयोग हेतु विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम में 150 से अधिक किसान मौजूद रहे

प्रयास

गौतम को पता ही नहीं चला कि सौरभ कब आया और आकर चुपचाप उसके पीछे बैठ गया। गौतम अपने काम में पूरी तरह से डूबा हुआ था। वह एक चौदह–पंद्रह साल के बच्चे को पढ़ा रहा था। वह बच्चा कुछ दिन पहले ही एक घरेलू नौकर के रूप में गौतम के यहाँ आया था। गौतम ने उसी दिन फैसला कर लिया था कि इस बच्चे को पढ़ने–लिखने और उसे उसके पैरों पर खड़ा होने में उसकी मदद करेगा। अगले ही दिन से समय निकालकर वह उसे पढ़ाने लगा। बच्चे में भी पढ़ने–लिखने की तीव्र इच्छा थी अतः वह पंद्रह दिन में ही अच्छी तरह से पढ़ने लगा था।

जब गौतम ने सौरभ को देखा और उसका अभिवादन किया तो सौरभ ने गौतम से पूछा कि उसने ये क्या नया तमाशा शुरू कर दिया है। ''तमाशा नहीं, मैं चाहता हूँ कि इस बच्चे को इसके पैरों पर खड़ा होने में उसकी मदद करूँ, '' गौतम ने कहा। इस पर सौरभ ने कहा, ''इस देश में लाखों–करोड़ों बच्चे इसी अवस्था में हैं। तुम समझते हो कि तुम्हारी एक बच्चे की मदद करने से देश की स्थिति में कोई विशेष अंतर आ जाएगा?'' ''देश की स्थिति में कोई अंतर आए या न आए लेकिन इस बच्चे की स्थिति में विशेष अंतर अवश्य आ जाएगा, ''इतना कहकर गौतम पुनः एक नए उत्साह के साथ उस बच्चे को पढ़ाने में व्यस्त हो गया।

वस्तुतः हमारा हर प्रयास, चाहे वह कितना ही छोटा क्यों न हो, किसी न किसी के जीवन में परिवर्तन लाने में अवश्य ही सक्षम होता है। कहा जाता है कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता लेकिन इतिहास में ऐसी असंख्य मिसालें मिलती हैं कि अकेले चनों ने ही भाड़ फोड़ा है। अकेले व्यक्तियों ने ही क्रांति की है और गलत मान्यताओं और व्यवस्थाओं को बदला है। लोककल्याण के जो कार्य बड़ी–बड़ी संस्थाएँ और सरकारें नहीं कर पाईं किसी अकेले व्यक्ति ने कर दिखाए। जरूरत है तो बस आत्मविश्वास के साथ पहल करने की। यदि हम सब अकेले–अकेले ही अपने कर्तव्यपथ पर डट जाएँ तो इस धरती की तस्वीर ही बदल जाए।

सीताराम गुप्ता, ए.डी. 106 सी., पीतमपुरा, दिल्ली – 110034, मोबा0 नं0 9555622323, Email : srgupta54@yahoo.co.in

SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
500 ML Bottle ₹600/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
IFFCO Nano DAP Liquid
NANO UREA PLUS
NANO DAP
LIQUID (8:16:0)
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

यमुनानगर के सढ़ौरा में प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा दी जाने वाली किसान सम्मान निधि वितरण कार्यक्रम में एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी. के चेयरमैन श्री अमर पाल राणा जी का मुख्यतिथि के तौर पर स्वागत करते तहसीलदार अजय व डीडीएम अमित कुमार डबास।

दिनांक 24.02.2025 को हरको बैंक के सभागार कक्ष में निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता करते श्री अनिल कुमार, निदेशक। उनके साथ हरको बैंक के प्रबंध निदेशक/सी.ई.ओ. डॉ. प्रफुल्ल रंजन, श्री नरेश गोयल, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा पंचकूला व अन्य निदेशक।

दिनांक 03 मार्च 2025 को रेड बिशप, पंचकूला में माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी जी की अध्यक्षता में बजट 2025–26 के लिए विधायकों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक का आयोजनं हुआ। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए विकसित हरियाणा के लक्ष्य पर आधारित इस बैठक में महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए। बैठक में हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण माननीय मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, कैबीनेट मंत्री श्री अनिल विज, श्री कृष्णलाल पंवार, डॉ अरविन्द कुमार शर्मा, श्री श्याम सिंह राणा, श्री महिपाल ढांडा समेत विधायकगण मौजूद रहे।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264